मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 190 ■ सोमवार 20 अक्टूबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बड़जात्या के नेक्स्ट प्रोजेक्ट में आयुष्मान-शरवरी की जोड़ी

जनवरी में होंगे मनपा चुनाव!

- दिसंबर में नगरपालिका और नगर पंचायत, जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव
- नवंबर के पहले सप्ताह में घोषणा की संभावना

मुंबई. सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार, राज्य चुनाव आयोग ने राज्य में रुके हुए स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके अनुसार, नवंबर के पहले सप्ताह में चुनावों की घोषणा की जाएगी। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य की 247 नगर पालिकाओं और 147 नगर पंचायतों के चुनाव दिसंबर के पहले सप्ताह में होंगे।

राज्य चुनाव आयोग ने मनपा, नगरपालिका और नगर पंचायत, जिला परिषद और पंचायत समिति जैसे त्रिस्तरीय चुनाव कराने की तैयारी कर ली है। इस संबंध में, चुनाव आयोग ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के साथ तैयारियों की समीक्षा की।

पहले चरण में, राज्य की 247 नगर पालिकाओं और 147 नगर पंचायतों के चुनाव होंगे। ये चुनाव नवंबर के अंत तक कराने की योजना थी। लेकिन चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि ये संभवतः दिसंबर के पहले सप्ताह में होंगे। राज्य में 32 जिला परिषदों और 336 पंचायतों के चुनाव दिसंबर के अंत तक हो जाएँगे। अंतिम चरण में, 29 महापालिकाओं के चुनाव 15 से 20 जनवरी के बीच होंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने जनवरी के अंत तक सभी चुनाव प्रक्रियाएँ पूरी करने का आदेश दिया है। तदनुसार, राज्य चुनाव आयोग 20 जनवरी से पहले सभी प्रक्रियाएँ पूरी करने का प्रयास कर रहा है।

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और मनसे ने राज्य चुनाव आयोग से त्रुटिपूर्ण मतदाता सूचियों की शिकायत की थी। वरिष्ठ नेताओं शरद पवार, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, बालासाहेब थोराट आदि ने मांग की थी कि मतदाता सूचियों में भ्रम की स्थिति दूर होने के बाद ही चुनाव कराए जाएँ। 'एमवीए' ने मांग की कि त्रुटिपूर्ण मतदाता सूचियों के आधार पर चुनाव कराने के बजाय उन्हें कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाए। लेकिन राज्य चुनाव आयोग चुनाव के लिए सभी कदम उठा रहा है। मनपा चुनावों का कार्यक्रम इस महीने के अंत तक या नवंबर के पहले सप्ताह में घोषित किया जाएगा।

महायुति का समीकरण...

त्रिस्तरीय चुनावों में सबसे पहले जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव होने का अनुमान था। भारी बारिश ने ग्रामीण इलाकों में खेती को भारी नुकसान पहुँचाया है। किसान अपनी फसलें बर्बाद होने से परेशान हैं। अगर जिला परिषद के चुनाव तुरंत कराए गए, तो इसके प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। भाजपा, शिवसेना, शिंदे गुट, राकांपा, अजित पवार गुट आदि किसानों की नाराजगी बर्दाश्त नहीं कर सकते। हालाँकि किसानों के लिए सहायता की घोषणा की गई है, लेकिन किसानों तक यह सहायता पहुँचने में कुछ देरी हो रही है। इसी वजह से महायुति का अनुमान है कि अगर दिसंबर के अंत तक जिला परिषद के चुनाव हो जाते हैं, तो इसका उतना असर नहीं पड़ेगा।

जिला कलेक्टर से रिपोर्ट माँगी गई

महाविकास आघाड़ी प्रतिनिधिमंडल ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चोकलिंगम और राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे से शिकायत की थी। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने संबंधित जिला कलेक्टर से रिपोर्ट माँगी है। 'यह प्रचलित प्रथा है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया, 'जब शिकायतें प्राप्त होती हैं तो संबंधित जिला कलेक्टर या चुनाव अधिकारी से रिपोर्ट मांगी जाती है।'

दिवाली के अवसर पर पुलिस सुरक्षा

आकाश कंदील को हवा में उड़ाने पर प्रतिबंध

> जहाँ पुलिस बल की आवश्यकता होगी, वहाँ पुलिस सुरक्षा तैनात की जाएगी। यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति भी उपलब्ध कराई गई है। आकाश में उड़ने वाले लालटेन पर भी प्रतिबंध रहेगा।
> – **मीना मकवाना**, उपायुक्त, विशेष शाखा, ठाणे पुलिस।

ठाणे. दिवाली के अवसर पर ठाणे और कल्याण-डोंबिवली शहरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान यातायात की भीड़भाड़ से बचने के लिए, ठाणे यातायात पुलिस विभाग के लिए 50 पुलिस अधिकारियों और ज़ोन (ठाणे शहर) के एक प्रभाग के लिए 150 पुलिस अधिकारियों की अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की जाएगी। ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है। इसलिए, पुलिस ने स्पष्ट किया कि आकाश कंदील को हवा में उड़ाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दिवाली के अवसर पर सोमवार को दिवाली पहाट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा दिवाली पहाड कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों के लिए, जिले के विभिन्न हिस्सों से युवक-युवतियाँ ठाणे, कल्याण और डोंबिवली क्षेत्रों में एकत्रित होते हैं। त्योहार के दौरान दुर्व्यवहार और चोरी को रोकने के लिए ठाणे पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा तैनात की गई है। सुरक्षा कारणों से, नौपाड़ा पुलिस के साथ मुख्यालय से लगभग 150 पुलिस अधिकारियों की अतिरिक्त सुरक्षा इस क्षेत्र में तैनात की गई है।

डोंबिवली और कल्याण इलाकों में भी वहां के थानों की पुलिस तैनात की जाएगी। कार्यक्रमों के आयोजन से यातायात व्यवस्था पर काफी दबाव पड़ता है। इसलिए, मुख्यालय से लेकर यातायात पुलिस विभाग तक 50 पुलिस अधिकारियों की अतिरिक्त टुकड़ी तैनात रहेगी। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों पर यातायात सहायकों को भी तैनात किया जाएगा। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। दिवाली के अवसर पर कई लोग आकाश कंदील (स्काई लैंटर्न) हवा में उड़ाते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इन पर भी प्रतिबंध है।

त्योहार के दौरान प्रवेश पर प्रतिबंध

राम मारुति रोड क्षेत्र में गजानन चौक से तीन पेट्रोल पंप तक, दगड़ी शाला और चराई इलाकों में हजारों वाहन चलते हैं। ठाणे पुलिस ने दिवाली के अवसर पर यातायात की भीड़ से बचने के लिए तीन पेट्रोल पंप से गजानन चौक की ओर जाने वाले वाहनों पर प्रवेश प्रतिबंध लगा दिया है। यहाँ वाहन गणेशमूर्ति कारखाना, हरिनिवास चौक या वंदना एसटी आगर से आ-जा सकेंगे।

गांधारे ब्रिज पर 87 लाख रुपये का गुटखा ज़ब्त

- गुजरात से लाया गया था प्रतिबंधित गुटखा

कल्याण. दो दिन पहले, जहाँ नारपोली पुलिस ने भिवंडी मनकोली फ्लाईओवर पर तस्करों से 84 लाख रुपये का गांजा ज़ब्त किया था, वहीं कल्याण क्राइम ब्रांच पुलिस ने शुक्रवार सुबह 5:30 बजे कल्याण पश्चिम में कल्याण पडघा रोड स्थित गांधारे ब्रिज पर गुजरात से तस्करी करके लाया गया 87.37 लाख रुपये का गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद ज़ब्त किया।

इस तस्करी मामले में, खड़कपाड़ा पुलिस ने राजस्थान निवासी धनराज रामगोपाल स्वामी को गिरफ्तार किया है। उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके अन्य तस्कर साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। स्वामी राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ तालुका के लालासी गाँव का निवासी है। स्वामी गुजरात से एक आयशर टेम्पो में गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद लेकर कल्याण आ रहा था।

कल्याण क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे को सूचना मिली थी कि गुजरात से गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद लेकर एक आयशर टेम्पो कल्याण शहर की ओर जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पुलिस से बचने के लिए एक टेम्पो हाईवे छोड़कर अंदरूनी सड़कों पर दौड़ रहा है। सूचना मिलने पर कि यह टेम्पो पडघा से गांधारे ब्रिज होते हुए कल्याण शहर आ रहा है, वरिष्ठ निरीक्षक शिंदे के मार्गदर्शन में पुलिस ने शुक्रवार आधी रात से ही कल्याण के गांधार ब्रिज पर जाल बिछा दिया था।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे गांधारे ब्रिज इलाके से एक आयशर टेम्पो को पुलिस ने रोका, लेकिन वह आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे रोक लिया। पुलिस ने टेम्पो की तलाशी ली। उसमें 84 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पाद थे।

पुलिस ने चालक स्वामी से पूछताछ की। उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने खड़कपाड़ा थाने में खाद्य एवं औषधि प्रशासन अधिनियम के तहत चालक स्वामी और उसके अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव, सहायक आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे, सहायक पुलिस निरीक्षक सरजेराव पाटिल, उपनिरीक्षक विनोद पाटिल, किरण भिसे, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक दत्ताराम भोसले, बालाजी शिंदे, बोरकर, कांस्टेबल सुधीर कदम, गुरुनाथ जारग, विलास कडू, विजय जिरे, प्रशांत वानखेड़े, गोरक्षनाथ पोटे, सचिन भालेराव, पांडुरंग भांगरे, उल्हास की टीम बनाई गई। खंडारे, सचिन कदम, मिथुन राठौड़, दीपक महाजन, सतीश सोनावणे, विनोद चन्ने, गणेश हरणे, गोरक्ष शेकड़े, आदिक जाधव ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया.

उल्हासनगर की समस्याओं पर की चर्चा

- शिंदे सेना के प्रतिनिधिमंडल ने मनपा आयुक्त को दिया ज्ञापन

उल्हासनगर. शिंदे सेना के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की और शहर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, अतुल देशमुख ने शहर के विकास के लिए समस्या का समाधान करने की मांग की।

शिंदे सेना प्रतिनिधिमंडल के सदस्य वास्तुकला विशेषज्ञ अतुल देशमुख ने आयुक्त मनीषा आव्हाले को उल्हासनगर में अनधिकृत निर्माणों को नियमित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बताया और कहा कि यदि उन कठिनाइयों को दूर किया जाए तो सैकड़ों अवैध निर्माण नियमित हो जाएंगे। देशमुख ने कहा कि इसके अलावा, शहर के पूर्व में पानी की कमी, पानी के निर्वहन समय को नियमित करना, पानी के लीक और अनधिकृत पाइप कनेक्शनों को तुरंत बंद करना, पानी के मीटर लगाना, घर के सही माप के अनुसार मकान किराया देने के उपाय और बकाया राशि वसूलने के लिए नागरिकों को जल्द से जल्द सही मकान किराया उपलब्ध कराना आदि मांगें की गई हैं।

विधायक बालाजी किणीकर ने शहर में खतरनाक इमारतों को जल्द से जल्द संरक्षित एफएसआई प्रदान करने, विभिन्न विकास कार्यों पर आयुक्त से चर्चा की। साथ ही विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के बाद आयुक्त मनीषा अव्हाले ने विकास कार्य पटरी पर आने का आश्वासन दिया. इस अवसर पर शिंदे सेना के दिलीप गायकवाड, रमेश चव्हाण, राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, संदीप गायकवाड, ज्योति माने, समिधा कोर्डे, विकास पाटिल, सोनी भाटिया, रवि खिलनानी, नवीन दुधानी, आदिनाथ कोर्डे, गणेश चौघुले, राजू पाटिल, राकेश माने, हरीश गुंजल सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे.

पुलिस और उनके परिवारों को मानसिक तनाव पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

- विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा उपचार

उल्हासनगर. पुलिस, पुलिस अधिकारियों और उनके परिवारों के जीवन को तनावमुक्त और शांतिपूर्ण बनाने के लिए एक वेलनेस क्लिनिक की स्थापना की गई है। इस क्लिनिक का उद्घाटन पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने किया और हर हफ्ते एक शिविर आयोजित किया जाएगा। साथ ही, हर बुधवार को पुलिस और उनके परिवारों को एक विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण और उपचार दिया जाएगा।

उल्हासनगर पुलिस सर्कल में पुलिस और उनके परिवारों के जीवन को तनावमुक्त और शांतिपूर्ण बनाने के लिए एक वेलनेस क्लिनिक की स्थापना की गई है। इस क्लिनिक का उद्घाटन सोमवार को पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने किया। इस क्लिनिक में पुलिस और उनके परिवारों के जीवन को तनावमुक्त और शांतिपूर्ण बनाने के लिए हर हफ्ते शिविर आयोजित किए जाएंगे। जो पुलिस अधिकारी मानसिक तनाव में हैं। उन्हें एक विशेषज्ञ द्वारा परामर्श और उपचार दिया जाएगा। पुलिस अधिकारी मानसिक तनाव से मुक्त हों और उनके परिवार को शांति मिले। पुलिस उपायुक्त गोरे ने बताया कि इसके लिए वेलनेस क्लिनिक की स्थापना की गई है। पुलिस सर्किल के प्रत्येक थाने से 10 पुलिसकर्मी मार्गदर्शन शिविर में भाग लेंगे।

5 पुलिसकर्मियों का विशेषज्ञों द्वारा उपचार

- पहले शिविर में 85 पुलिसकर्मी और 12 अधिकारी लाभान्वित हुए। इनमें से 5 पुलिसकर्मी विशेषज्ञों से सलाह लेकर अपना और अपने परिवार का उपचार करेंगे। प्रत्येक सप्ताह के शिविर के बाद, बुधवार को पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों का विशेषज्ञों द्वारा उपचार किया जाएगा।

स्वयं सहायता समूहों की 50 बहनें रोज़गार की आस में

स्टॉल पड़े-पड़े खा रहे हैं जंग

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका ने उल्हासनगर शहर में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोज़गार देने के लिए लगभग 1 करोड़ 24 लाख 15 हज़ार 750 रुपये की लागत से 50 लोहे के स्टॉल खरीदे हैं। चूँकि स्वयं सहायता समूहों की लगभग 50 बहनों को अभी तक स्टॉल नहीं दिए गए हैं, इसलिए वे महिलाएँ रोज़गार की आस में हैं और धूल में पड़े स्टॉल अब जंग खा रहे हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका के इस अजीबोगरीब प्रबंधन को लेकर स्वयं सहायता समूहों की महिला वर्ग में रोष का माहौल व्याप्त है।

उल्हासनगर में महिला स्वयं सहायता समूहों को रोज़गार देने के लिए, महानगरपालिका ने 50 लोहे के स्टॉल खरीदे थे। ये स्टॉल 6 महीने पहले 50 पात्र महिला स्वयं सहायता समूहों को वितरित किए जाने थे। हालाँकि, पिछले कई महीनों से स्टॉल वितरित नहीं होने के कारण, वे जंग खा रहे हैं.

उल्हासनगर महानगरपालिका महिला एवं बाल कल्याण विकास विभाग ने महिला स्वयं सहायता समूहों को 8X8 आकार के कुल 50 लोहे के स्टॉल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। एक स्टॉल की कीमत 2 लाख 48 हजार 315 रुपये है और 50 स्टॉल 1 करोड़ 24 लाख 15 हजार 750 रुपये में खरीदे गए हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि विभाग ने वितरण कार्यक्रम को बार-बार स्थगित कर दिया है क्योंकि वितरण के लिए मुख्य अतिथि की तारीख उपलब्ध नहीं है। महिला स्वयं सहायता समूहों को लोहे के स्टॉल के वितरण का दस्तावेजीकरण किया गया है। वास्तव में स्टॉल का कब्जा नहीं दिया गया है। उल्हासनगर 3 रेलवे स्टेशन के पास 6 महीने से रखे गए स्टॉल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। बारिश और सीवेज के कारण स्टॉल जंग खा रहे हैं।

अंबरनाथ में प्रकाश नगर के पुनर्वास हेतु विशेष योजना

- रमाबाई अंबेडकर नगर की तर्ज पर पुनर्विकास पर विचार

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर पालिका में शिलाहार कालीन शिव मंदिर क्षेत्र विकास परियोजना के अंतर्गत प्रकाश नगर बस्ती के पुनर्वास हेतु विशेष योजना तैयार करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक ऑनलाइन आयोजित की गई। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल पर आयोजित इस बैठक में इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि क्या प्रकाश नगर बस्ती का पुनर्वास हाल ही में शुरू हुई रमाबाई अंबेडकर नगर कॉलोनी पुनर्विकास परियोजना की तर्ज पर किया जा सकता है। बैठक में नगरीय विकास विभाग के प्रधान सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता और अंबरनाथ नगर पालिका के मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ उपस्थित थे।

शिलाहार कालीन शिव मंदिर को अंबरनाथ के प्राचीन इतिहास की एक सशक्त पहचान के रूप में देखा जाता है। अंबरनाथ शहर के पूर्वी भाग में स्थित 960 वर्ष पुराने शिलाहार कालीन प्राचीन शिव मंदिर क्षेत्र के विकास हेतु एक महत्वाकांक्षी परियोजना वर्तमान में नगर पालिका के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है। इसमें मंदिर क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर के बगल में बहने वाली वालधुनी नदी के तट पर एक घाट बनाया जा रहा है। इसमें एक भक्त के निवास सहित कई अन्य संरचनाएँ बनाई जा रही हैं। हालाँकि, चूँकि इस विकास योजना का कुछ हिस्सा प्रकाशनगर झोपड़पट्टी क्षेत्र में आता है, इसलिए यहाँ झोपड़पट्टीवासियों का पुनर्वास करना आवश्यक हो गया है।

प्रकाशनगर झोपड़पट्टी लगभग 13,258 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली हुई है और इस क्षेत्र में 600 से अधिक झोपड़पट्टीवासी रहते हैं। चूँकि इस क्षेत्र की भूमि सरकार के विभिन्न आरक्षित भूखंडों पर है, इसलिए पुनर्वास प्रक्रिया को अधिक सुसंगत और योजनाबद्ध तरीके से चलाने का उद्देश्य है। इसके लिए हाल ही में एक बैठक आयोजित की गई थी। सांसद श्रीकांत शिंदे की पहल पर आयोजित इस बैठक में नगरीय विकास विभाग के प्रधान सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता और अंबरनाथ नगर पालिका के मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ भी शामिल हुए।

बैठक में सुझाव दिया गया कि नागरिकों और व्यावसायिक भूमि मालिकों का पुनर्वास यथासंभव शिव मंदिर क्षेत्र के निकट किया जाना चाहिए। इसके लिए एक विस्तृत और व्यवहार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, बैठक में यह निर्णय लिया गया कि झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना के पारंपरिक पुनर्विकास पद्धति के अलावा अन्य विकल्प भी तलाशे जाएँ और प्रकाश नगर झोपड़पट्टी के पुनर्विकास को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार यथाशीघ्र आगे बढ़ाया जाए। इस चर्चा के परिणामस्वरूप, अंबरनाथ के पूर्वी भाग में शहरी विकास और विरासत स्थल संरक्षण, दोनों दिशाओं में एक सकारात्मक कदम उठाया गया है और आशा है कि झोपड़पट्टी पुनर्वास और शिव मंदिर क्षेत्र सौंदर्यीकरण परियोजना को भी गति मिलेगी।

गांजा सेवन करने वाले 7 के खिलाफ अपराध दर्ज

कल्याण. तिलकनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि कल्याण और डोंबिवली की सीमा पर स्थित कचोरे पत्रीपुल इलाके में भारी मात्रा में गांजा की तस्करी हो रही है। तिलकनगर पुलिस ने डोंबिवली और कल्याण के कुल सात लोगों के खिलाफ मादक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है, जो इस तरह के गांजे का सेवन करते हैं।

पिछले हफ्ते, पुलिस ने पत्रीपूल और कचोर टेकड़ी इलाकों में हर शाम से देर रात तक गश्त की और गांजा का सेवन कर रहे कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया। हिरासत में लिए गए इन युवकों की उम्र 21 से 24 साल के बीच है। समीर सोनार, रोशन विश्वकर्मा, अर्जुन चौहान, किशन चौहान, शंकर हाथी, गौतम चव्हाण, सागर चौहान और एक अन्य व्यक्ति गांजा पीते हुए पकड़े गए। ये लोग पत्रीपुल से कचोर इलाके में इमारतों और पेड़ों की आड़ में गांजा पी रहे थे। तिलकनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कुमार कदम के निर्देश पर इन सभी सात लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

‘मिशन इंपॉसिबल’

हर वर्ष त्योहारों पर घर जाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जद्दोजहद करनी पड़ती है। जबकि सरकार यह दावा करती है कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष गाड़ियां भी चलाई जा रही हैं। फिर भी ये कम क्यों पड़ रही हैं? हालत यह है कि दीपावली और छठ से पहले देश के विभिन्न शहरों से अन्य दिशाओं खासकर पूरब या बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए टिकट हासिल करना युद्ध जीत लेने जैसा होता है। भारी संख्या में लोग किसी ट्रेन में टिकट न मिलने पर निराश होते हैं। यहां तक कि तत्काल कोटे में भी लोगों को सीट नहीं मिलती। इसके लिए जो नियम-कायदे अब बनाए गए हैं, उससे आमतौर पर साधारण यात्रियों को असुविधा ही हो रही है।

दूसरी ओर मुंबई, पुणे, सूरत, बंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों से लखनऊ, पटना और कोलकाता जाने वाले विमानों का महंगा किराया विकल्पों को सीमित कर देता है। रेलवे ने प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को राहत देने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन जरूर किया है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है।

त्योहारों पर हर बार बड़ी संख्या में ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी जाती है। फिर भी यात्रियों को टिकट नहीं मिलता। सवाल है कि बारह हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा के बावजूद यात्रियों के लिए आसानी से टिकट उपलब्ध क्यों नहीं है? खासतौर पर होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर यह हर वर्ष की समस्या है। सरकार के सामने ऐसे मौके पर ट्रेनों की जरूरत का पूरा अनुमान और हिसाब होता है, मगर यह समस्या बदस्तूर कायम है। यह कड़वा सच है कि आज भी हजारों यात्री जान जोखिम में डाल कर सामान्य कोच से अपने घर जाते हैं।

प्लेटफार्म पर कभी-कभी भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जाहिर है, यात्रियों की संख्या के हिसाब से चलाई जा रही ट्रेनें पर्याप्त नहीं हैं। विकल्प के तौर पर कई लोग बसों से यात्रा करते हैं, जो काफी जोखिम भरा और बेहद महंगा भी होता है। एक ओर, बुलेट ट्रेन चलाने सहित भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा बनाने के दावे किए जाते हैं, दूसरी ओर पर्व-त्योहार के मौके पर लाखों लोगों के लिए अपने गांव-घर जाना एक मुश्किल चुनौती है।

भारतीय आत्मा का आलोकित उत्सव दीपावली

दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा का आलोकित उत्सव है, अंधकार से संवाद करने की कला है और निराशा के बीच आशा का दीप जलाने का नाम है। हर वर्ष जब कार्तिक अमावस्या आती है, तब समूचा भारत जैसे एक साथ सांस लेता है-धीरे, स्थिर, श्रद्धा से भरा हुआ। गांव की कच्ची गलियां हों या महानगर की ऊंची इमारतें, हर जगह कोई न कोई दीप किसी स्मृति, किसी प्रार्थना, किसी सपने के नाम जलता है। यह रोशनी बाहर जितनी दिखती है, भीतर उतनी ही उतरती है, क्योंकि दीपावली बाहरी उजास से अधिक भीतर के अंधेरे को पहचानने और उसे प्रेमपूर्वक आलोकित करने की प्रक्रिया है।

मिट्टी के दीये का अपना सौंदर्य है। वह भले ही छोटा हो, पर उसका प्रकाश सबसे कोमल और सबसे सच्चा होता है। उसमें मनुष्य का परिश्रम है, धरती की गंध है और आस्था की गर्मी है। वह दीप जब जलता है, तब लगता है जैसे किसी किसान की हथेली, किसी मां के नेत्र, किसी बच्चे की हंसी-सब मिलकर उस लौ को थरथरा रहे हों। यही मिट्टी का दीया हमारे जीवन की सबसे गहरी प्रतीक-कथा कहता है कि जो झुकता है, वही जलता है, जो मिटता है, वही प्रकाशित होता है।

दीपावली का उत्सव केवल लक्ष्मी की आराधना नहीं है, बल्कि श्रम और सौंदर्य, करुणा और स्मृति, उत्सव और साधना का संगम है। इस दिन हर व्यक्ति, चाहे गरीब हो या अमीर, कुछ न कुछ सजाता है-अपना घर, अपना मन या अपनी आशा। यह सजावट

केवल भौतिक नहीं, मनोवैज्ञानिक भी है। यह सजाने, संवारने, संजोने का उत्सव है-जैसे हम अपने भीतर के अस्त-व्यस्त भावों को भी दीपों की पंक्तियों में सजा दें। कवियों ने हमेशा दीपावली को प्रकाश और अंधकार के संघर्ष के रूप में देखा है, पर यदि ध्यान से देखें तो यह संघर्ष नहीं, संवाद है। अंधकार प्रकाश का शत्रु नहीं, उसका आवश्यक आधार है। बिना अमावस्या के चांद का अर्थ अधूरा है। दीप का सौंदर्य तभी खिलता है, जब उसके चारों ओर घना अंधेरा हो। जीवन भी ऐसा ही है। अंधकार हमें प्रकाश का मूल्य सिखाता है, दुख हमें आनंद की गरिमा दिखाता है और हानि हमें प्रेम की गहराई समझाती है। जब सांझ उतरती है और बच्चे पहली फुलझड़ी जलाते हैं तो आकाश में केवल चिंगारियां नहीं उठतीं, वहां हजारों इच्छाएं भी उड़ती हैं। दीपावली का प्रकाश वस्तुतः उन अनगिनत स्वप्नों का प्रतिरूप है, जो मनुष्य के हृदय में सदा जलते रहते हैं। जब चारों ओर दीपों की पंक्तियां थिरक रही होती हैं और हवा में एक अजीब शांति होती है। यह क्षण वह है जब मनुष्य अपने भीतर के ईश्वर से मिलता है-न किसी मूर्ति में, न किसी ग्रंथ में, बल्कि उस छोटी सी लौ में, जो बाहर भी है और भीतर भी।

दीपावली का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग है। किसी के लिए यह संपन्नता का प्रतीक है, किसी के लिए मिलन का और किसी के लिए स्मृति का। बूढ़ी मां जब पुराने दीयों को साफ करती है तो हर दीए में उसे बीते वर्षों की परछाई दिखती है। अब वह दीया जलाती है तो उसमें एक तरह की मौन प्रार्थना होती है कि उजाला केवल घर का न हो, मन का भी हो। साहित्य में दीपावली केवल एक दृश्य नहीं, एक प्रतीक है-प्रकाश का, ज्ञान का, सत्य का। किसी ने इसे राम के अयोध्या लौटने का उत्सव कहा, किसी ने आत्मा की विजय का, किसी ने प्रेम के पुनर्जन्म का, पर सबका सार एक ही रहा-अंधकार से प्रकाश की ओर, भय से विश्वास की ओर, बाह्य से अंतर की ओर यात्रा।

संस्कृति के स्तर पर दीपावली हमें यह सिखाती है कि उत्सव केवल प्रदर्शन नहीं, संवेदना है। यह पर्व हमें जोड़ता है-परिवारों से, पड़ोसियों से और यहां तक कि अजनबियों से भी। एक दीप किसी और के द्वार रख देना, यह बताना है कि हम साथ हैं, हम एक ही प्रकाश में जी रहे हैं। यही भारतीयता का हृदय है-'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' जब रात गहराती है और दीप धीरे-धीरे बुझने लगते हैं, तब भी उनकी लौ की छाया दीवारों पर बनी रहती है। वह छाया एक स्मृति बन जाती है कि उजाला क्षणभंगुर है, पर उसका प्रभाव अनंत। शायद इसी भाव से कवि कहता है-जो दीप जलता है, वह बुझता नहीं, वह हृदय में उतर जाता है।

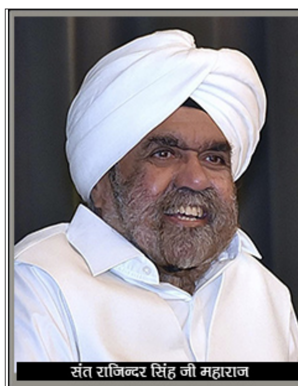

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रकाश और प्रेम ही हमारा सच्चा स्वरूप है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ट्रंप की बयानबाजी में कितना सच, उठे सवाल?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर कुछ दिन बाद ऐसे दावे करते दिखते हैं, जो पहली नजर में बड़े महत्त्व के लगते हैं। मगर थोड़ा वक्त गुजरते ही उनके दावों को लेकर जिस तरह के तथ्य सामने आते हैं, उससे उनकी बातों की विश्वसनीयता पर संदेह खड़े हो जाते हैं। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हमले किए, तो उस संघर्ष को रोकने को लेकर हाल में ट्रंप ने जिस तरह के दावे किए और भारत ने उसे निराधार बताया, उससे उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बीच शुल्क लगाने की नीति के जरिए व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी करने के क्रम में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा कर भारत पर दबाव बनाने की विचित्र कोशिश की। जब भारत ने इस संबंध में नीतिगत फैसला लेने के अपने अधिकार के तहत रूस से तेल आयात करना जारी रखा, तो अब ट्रंप ने अलग स्तर का दावा करके भारत को असहज करने का प्रयास किया है। दरअसल, अमेरिका की ओर से जुर्माना लगाने की घोषणा के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अपने हितों के अनुकूल फैसले पर अमल जारी रखा है। इसी के मद्देनजर अब ट्रंप ने एक नया राग

छेड़ा है, जिसके जरिए शायद वे भारत को कमजोर साबित करने की इच्छा रखते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। लांकि ट्रंप के इस दावे के बाद भारत की ओर से स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। सवाल है कि इतने गंभीर मसले पर अगर ट्रंप बेहिचक एक निराधार दावा कर रहे हैं, तो इसकी क्या वजह है। जबकि भारत ट्रंप की बातों को सिरे से खारिज कर रहा है। ऐसा लगता है कि रूस से तेल खरीद को लेकर भारत के बारे में ट्रंप ने जो कहा है, उसका मकसद भी सिर्फ भारत पर दबाव बनाना और रूस को उकसाना भर है। मगर इस तरह की खोखले बातों के जरिए ट्रंप क्या हासिल कर लेंगे?

ट्रंप के दावों की हकीकत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अक्सर वे अलग-अलग देशों के बीच युद्ध रुकवा देने का श्रेय लेते हैं और इस नाते उन्होंने नोबेल शांति सम्मान पाने की भी इच्छा जताई। जबकि पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में भारत यह साफ कर चुका है कि संघर्ष-विराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। विडंबना यह है कि ट्रंप दुनिया भर में एक महाशक्ति माने जाने वाले देश के राष्ट्रपति हैं, लेकिन अक्सर किए जाने वाले उनके दावों और उसके बरक्स हकीकत की वजह से उनके व्यक्तित्व की गंभीरता सवालों के घेरे में आ रही है। अमेरिका का आर्थिक हित सुनिश्चित करना उनका दायित्व है, लेकिन इस क्रम में अन्य देशों की नीतियों को वे जिस तरह प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, उसे उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत के साथ व्यापार वार्ता के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ही उन्होंने जिस तरह भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और उसका दायरा और विस्तृत किया, वह एक तरह से अन्य देशों और खासतौर पर भारत के नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने की ही कोशिश थी। मगर रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा से यह साबित हुआ कि अमेरिका की नजर में भारत या अन्य देशों के नीतिगत फैसले लेने के अधिकार और संप्रभुता की कितनी कद्र है।

एक मिनट में 1260 बार धड़कता दिल, हर सेकंड 200 बार हिलते पंख

वाल्मिकी टाइगर रिजर्व में पक्षियों की करीब 300 प्रजाति का बसेरा है. हालांकि, इन सभी पक्षियों की अपनी अलग विशेषताएं हैं, लेकिन

जरा हट के

आज हम आपको जिस पक्षी के बारे में बता रहे हैं वो इन सब पक्षियों में बेहद खास है.

ज्यादातर पक्षियों को आपने आगे की ओर उड़ते हुए देखा होगा. लेकिन क्या कभी आपने किसी पक्षी को पीछे की तरफ उड़ते हुए देखा है? यदि नहीं, तो इस लेख में हम आपको ऐसी ही एक पक्षी के बारे में बता रहे हैं जिसकी उड़ान आगे से ही नहीं, बल्कि पीछे से भी होती है.

वाइल्ड लाइफ पर पिछले 25 वर्षों से काम कर रहे नेचर एनवायरमेंट एंड वाइल्ड लाइफ सोसाइटी के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक बताते हैं कि, हमिंग बर्ड एक ऐसी पक्षी है जिसका नाम ही उसके पंख से होने वाली आवाज से निकला है. दरअसल, अंग्रेजी के 'हमिंग' साउंड के शब्द से ही इस पक्षी

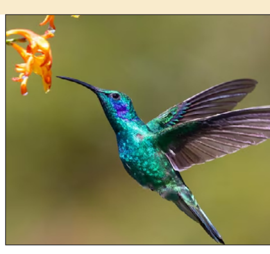

का नाम 'हमिंग बर्ड' पड़ा है.

यह धरती की एकमात्र ऐसी पक्षी है जो आगे ही नहीं बल्कि, रिवर्स गियर में पीछे की तरफ भी उड़ सकती है. अभिषेक बताते हैं कि दुनिया में हमिंगबर्ड की करीब 350 प्रजातियां हैं.

दुनिया की सबसे छोटी हमिंग बर्ड जिसे 'बी हमिंगबर्ड' भी कहते हैं, का साइज महज 5 सेंटीमीटर होता है, जबकि वजन 2 ग्राम तक ही होता है. वहीं आम हमिंग बर्ड का वजन 4 से 8 ग्राम तक हो सकता है. कुछ हमिंग बर्ड का साइज 23 सेंटीमीटर तक और वजन 20 ग्राम तक होता है.

बकौल एक्सपर्ट, हमिंगबर्ड जब डाइव मारती है तो एक सेकेंड में 200 बार तक अपने पंख फड़फड़ा सकती है. इतनी तेज पंख फड़फड़ाने के लिए दिल को खून भी तेजी से शरीर में पहुंचाना पड़ता है. इसके लिए उसको तेजी से उड़ना भी पड़ता है.

इस बात की जानकारी बहुत कम लोगों को ही है कि यह पक्षी प्रति सेकंड 80 बीट की गति हासिल करने की आश्चर्यजनक क्षमता रखती है. इस उड़ान के दौरान उसकी हृदय गति 1260 बीट प्रति मिनट तक पहुंच जाती है. यह स्पीड हमिंग बर्ड को अन्य पक्षियों से बिलकुल अलग करती है.

वेजिटेबल चीज चीला

खाना-खजाना

आज मॉर्निंग ब्रेकफास्ट में तरह तरह के स्वादिष्ट और पोषक व्यंजन बनाने का प्रयास करना चाहिए। अब सवाल है कि रोज रोज नाश्ते में क्या अलग बना सकते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं पौष्टिक और स्वादिष्ट सुबह के नाश्ते की विधि। आज ब्रेकफास्ट में आप वेजिटेबल चीज चीला बना सकते हैं। जानिए वेजिटेबल चीज चीला बनाने की आसान रेसेपी।

सामग्री

- 3 बड़े चम्मच बेसन
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च
- 1/2 कप टुकड़ों में कटा प्याज
- 1/2 कप टुकड़ों में कटा टमाटर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 क्यूब चीज
- स्वादानुसार नमक

बनाने की विधि

सबसे पहले तीन बड़े चम्मच बेसन एक बाउल में डालकर उसमें लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च और स्वादानुसार नमक मिला लें। अब कटा हुआ प्याज, शिमला मिर्च और टमाटर जैसी सब्जियां भी मिला लें। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर घोल बना लीजिए।

ध्यान रखें कि घोल में गांठ न पड़े। अच्छे से मिला लीजिए। तब तक एक तवे को मध्यम आंच पर गर्म होने दें। अब इस बेचन और सब्जियों वाले घोल को गर्म तवे पर डालें और हल्का फैला लें। उसके बाद सुनहरा भूरा होने तक दोनों तरफ अच्छे से पका लें। अब तवे पर चीला के साथ एक तरफ चीज डालकर चीज के पिघलने तक पका लीजिए।

चीला बनेगा अधिक लजीज

- स्वादिष्ट के साथ पोषक नाश्ता बनाना चाहते हैं तो चीला बनाते समय ध्यान रहे कि ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।
- चीला अच्छे से पके इसके लिए बेसन का घोल पतला रखें।
- सब्जियों को बेसन के घोल में मिलाने से पहले दो मिनट के लिए स्टीम भी किया जा सकता है।

दिवाली की शॉपिंग लिस्ट में जरूर शामिल कर लें ये चीजें

■ त्यौहार के दिन नहीं आएगी कोई परेशानी

दीपावली का त्यौहार आने वाला है और लोग अभी से जोरों-शोरों से इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। घर की साफ-सफाई से लेकर तरह-तरह की खरीददारी तक, दिवाली में करने को बहुत सी चीजें होती हैं। भला हों भी क्यों ना, आखिर दिवाली हिंदू धर्म का सबसे खास और सबसे बड़ा त्यौहार जो है। दीपावली के त्यौहार में आपकी कोई तैयारी अधूरी ना रह जाए इसलिए घर की सजावट से लेकर रिटर्न गिफ्ट तक, अभी से हर चीज की लिस्ट बनाकर तैयार कर लें। तो चलिए जानते हैं कि लिस्ट में क्या-क्या सामान आपको जरूर एड करना चाहिए, ताकि एंड वक्त पर कोई प्रॉब्लम ना हो।

■ लाइट्स और सजावट का सामान

दीपावली का त्यौहार डेकोरेशन के बिना अधूरा है इसलिए शॉपिंग की लिस्ट में लाइट्स और डेकोरेटिव आइटम्स को सबसे पहले शामिल करें। घर के किस-किस हिस्से को लाइट्स से डेकोरेट करना है और वहां पर कितनी लाईटें लगेंगी, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए लिस्ट तैयार करें। इसके अलावा डेकोरेशन के लिए जिन भी सामानों की जरूरत पड़ेगी उन सभी चीजों को भी लिस्ट में शामिल करें।

■ चादर, पर्दे और कवर

दीपावली के त्योहार पर अक्सर लोग अपने घर के हर कमरे के बेड पर नई चादरें बिछाते हैं। सोफे कवर और नए कुशन कवर

खरीदे जाते हैं। शॉपिंग लिस्ट में इन चीजों को भी शामिल करें। किन-किन कमरों के लिए आपको चादर खरीदनी है, कौन-कौन से नए कवर खरीदने हैं, इन सब चीजों को लिस्ट में शामिल करने से शॉपिंग के टाइम कोई भी कंफ्यूजन क्रिएट नहीं होगी।

■ घर के जरूरी सामानों की बनाएं लिस्ट

साज- सजावट के अलावा घर के जरूरी सामानों की लिस्ट अलग से तैयार करें। इस लिस्ट में किचन आइटम के साथ-साथ, अन्य जरूरी सामानों को शामिल करें। किचन में जिन चीजों को रिप्लेस करना है, उसे भी इस लिस्ट में एड करें। लास्ट मोमेंट की भाग दौड़ से बचने के लिए, घर की जो चीज खराब हो गई हैं, उनके बारे में भी अलग से लिस्ट तैयार कर के अभी से रिपेयरिंग का काम कर लें और जिन चीजों को रिप्लेस करना है उन्हें रिप्लेस कर लें।

■ गिफ्ट्स के लिए तैयार करें अलग लिस्ट

दिवाली में लोग एक दूसरे से मिलने के लिए उनके घर भी जाते हैं, इसके अलावा फैमिली भी एक साथ फेस्टिवल को सेलिब्रेट करने के लिए इकट्ठी होती है। ऐसे में त्यौहार की खुशियों में चार चांद लगाने के लिए, अभी से फैमिली एंड फ्रेंड्स के लिए गिफ्ट की प्लानिंग कर लें। पर्सन टू पर्सन क्या गिफ्ट देना है, इसे डिसाइड करते हुए एक लिस्ट तैयार कर लें, जिससे लास्ट मोमेंट पर कोई भी कंफ्यूजन ना हो।

■ खुद की भी करें तैयारी

दीपावली के त्योहार पर लोग नए-नए कपड़े और ज्वैलरी पहनकर तैयार होते हैं। फेस्टिवल के मौके पर घर के किस सदस्य को कौन सा आउटफिट पहनना है, किसके लिए कपड़े और ज्वैलरी की कौन सी शॉपिंग करनी है, इसकी भी लिस्टिंग कर लें। जिससे शॉपिंग के समय किसी भी तरह की कोई प्रॉब्लम ना हो।

आज का राशिफल

मेष : यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

वृष : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन : दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी।

धनु : नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा।

मकर : किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी।

कुंभ : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

मीन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

स्लाइड विंडो के ट्रैक पर फंस गया है कचरा?

- बंद नहीं हो रहा दरवाजा?
- क्लीन करने का जानें सही तरीका
- फॉलो करें स्टेप

मॉर्डन बिल्डिंग और हाउस में स्लाइडिंग विंडो या दरवाजे का चलन काफी बढ़ गया है. ये दिखने में तो खूबसूरत लगता ही है, कमरे में जगह और रोशनी, दोनों को बढ़ाने का भी काम करता है. इन्हें मेंटेन करना भी आसान होता है. हालांकि, इनके ट्रैक पर बड़ी आसानी से धूल, मिट्टी और कचरा जमा हो जाता है. अगर इसे समय-समय पर न निकाला जाए, तो दरवाजे या खिड़कियां सही से बंद नहीं हो पाती, और यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है. लेकिन चिंता मत कीजिए, यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप इसे स्टेप बाई स्टेप किस तरह साफ कर सकते हैं.

इस तरह करें सफाई

- सबसे पहले आपको एक पुराना टूथब्रश चाहिए. इस ब्रश की मदद से आप विंडो के हर ट्रैक पर जमा धूल मिट्टी को अच्छी तरह से रगड़ लें. इस बात का ध्यान रखें कि हर कोने पर जमा कचरा अच्छी तरह निकल जाए.
- अब अब वैक्यूम क्लीनर के ब्रश की मदद से इसे वैक्यूम कर लें. अगर आपके पास वैक्यूम क्लीनर नहीं है तो आप हेयर ब्लोअर की मदद से भी इन कचरों को बाहर निकाल सकते हैं.
- अब आप एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी, आधा कप विनेगर और एक चम्मच बेकिंग सोड़ा मिलाएं और इस पर अच्छी तरह स्प्रे करें. आप किसी भी तरह का ऑल पर्पस क्लीनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.
- 3 से 4 मिनट के बाद आप एक सॉफ्ट माइक्रोफाइबर क्लॉथ की मदद से इसे अच्छी तरह से वाइप कर दें. विंटो ट्रैक चमक उठेगा. यह तरीका काफी आसान है और काफी कम समय में ही आपके विंडो का नया सा बना देगा. आप हर सप्ताह या हर महीने इस तरह सफाई कर सकते हैं. यही नहीं, दिवाली की सफाई भी आप इस तरह कर सकते हैं.

घी या मावा नहीं, गुड़ में भी हो सकती है मिलावट

- 4 तरह से घर पर करें इसकी शुद्धता की जांच
- बच जाएंगे जहर खाने से

आजकल मिलावट की समस्या हर खाने-पीने की चीज में बढ़ती जा रही है. फिर वह घी तेल हो, मिठाइयां हों या गुड़. दुकानदार मुनाफा कमाने के लिए इन सब चीजों में मिलावट कर रहे हैं. आमतौर पर हम गुड़ को सेहतमंद समझते हैं और इसे यह सोचकर डाइट में शामिल करते हैं कि ये हमारे हेल्थ को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन मिलावटी गुड़ सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. दरअसल, बाजार में बिकने वाला गुड़ कई बार केमिकल्स या सस्ती चीनी से तैयार किया जाता है, जिससे यह स्वाद में तो मीठा होता है, लेकिन इसकी शुद्धता पर सवाल खड़े हो जाते हैं. इसलिए गुड़ खरीदने से पहले उसकी शुद्धता की जांच कर लेना बहुत जरूरी होता है. यहां आसान तरीके बता रहे हैं, जिनसे आप घर पर ही गुड़ की मिलावट का पता लगा सकते हैं और बीमारियों से बच सकते हैं.

■ मिलावटी गुड़ की ऐसे करें पहचान–

पानी में डालकर करें टेस्ट– सबसे पहले आप एक गिलास में पानी लें और उसमें गुड़ का छोटा टुकड़ा डालें. शुद्ध गुड़ पानी में पूरी तरह से

घुल जाएगा, लेकिन मिलावटी गुड़ नीचे बैठ जाएगा.

चटख रंग से पहचानें– जो गुड़ शुद्ध होता है उसका रंग गहरा भूरा या हल्का पीला होता है. जबकि मिलावटी गुड़ का रंग चमकदार और गहरा पीला हो सकता है. इसलिए अगर गुड़ का रंग बहुत ब्राइट हो तो जरा संभल कर इसे खरीदें.

स्वाद में कड़वाहट– शुद्ध गुड़ मीठा और नेचुरल होता है, जबकि मिलावटी गुड़ का स्वाद कभी-कभी कड़वा या अजीब हो सकता है. इसलिए खरीदने से पहले इसे चख लें और अगर यह अजीब लगे तो खरीदने से बचें.

चिपचिपा या गीला गुड़– चिपचिपा या बहुत गीले गुड़ में मिलावट की संभावना अधिक होती है. इसलिए बेहतर होगा कि आप सख्त गुड ही लें. इन आसान तरीकों से आप घर पर गुड़ की शुद्धता की जांच कर सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भाइयों के साथ मिलकर पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, पीट-पीटकर मार डाला

सीतापुर. यूपी के सीतापुर में धनतेरस की रात एक युवक ने अपने भाइयों के साथ मिलकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। युवक ने रॉड और बेलचा से पत्नी को इस कदर पीटा कि उसकी मौत हो गई। घटनाक्रम के अनुसार सुर्जीपारा गांव निवासी संदीप पुत्र बेंचेलाल का शनिवार की देर रात खाना खाने के दौरान उसकी पत्नी सुमन से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर संदीप ने अपने भाइयों जगरूप, अनिल और पारिवारिक सदस्य विक्रम पुत्र प्रहलाद के साथ मिलकर लोहे की रॉड, बेलचा और स्टूल से सुमन देवी (36) पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मामले की सूचना मिलते ही राम आसरे आनन-फानन में हरगांव पहुंचकर अपनी पुत्री को सीएचसी लेकर गये जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्नी के कैंसर का इलाज कराने आए किसान की अस्पताल परिसर में हत्या, मिला शव

कानपुर. कानपुर के मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल में पत्नी का इलाज कराने आए अधेड़ की चाकू से गोदकर हत्या कर आरोपित भाग निकले। वह शुक्रवार रात से वह लापता थे। जिसके बाद रविवार सुबह उनका शव जेके कैंसर अस्पताल के परिसर में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। औरैया के बहादुरपुर निवासी 55 वर्षीय राम कुमार सिंह राजावत किसान थे। उनके परिवार में पत्नी अनीता, बेटी नम्रता और बेटा विशाल है। परिजनों ने बताया कि अनीता के फेफड़ों में इंफेक्शन था। वह बीते एक माह से अस्पताल में भर्ती थी। इस दौरान राजकुमार पत्नी के साथ थे। शनिवार को वह पत्नी से खाना खाने की बात कह कर निकले थे। शनिवार को परिजनों ने स्वरूप नगर थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद रविवार सुबह जेके कैंसर अस्पताल परिसर में झाड़ियां के पास उनका रक्तरंजित शव मिला।

जंगल में सड़ा-गला मिला दस दिन से लापता युवक का शव, नाखून में चोट से हुई पहचान

मुजफ्फरनगर. यूपी के मुजफ्फरनगर के गांव खुड्डा से 10 दिनों से लापता कार चालक सुहेब का सहारनपुर के मोड़ के जंगल में सड़ा गला शव मिला। परिजनों ने पैर के नाखून में चोट के निशान से उसकी शिनाख्त की। जबकि उसकी कार शामली के झिंझाना में जली हुई अवस्था में मिली थी। क्षेत्र के गांव खुड्डा निवासी 22 वर्षीय सुऐब पुत्र शराफत पर कार को बुंकिग में चलाता था। गत सात अक्तूबर की शाम सात बजे वह अपनी कार को बुंकिग के लिए घर से निकला था। इसके बाद वह कार सहित लापता हो गया था। परिजनों ने गत 10 अक्तूबर को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। तभी से पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई थी।

रायबरेली के आश्रम में घुसकर बेरहमी से पुजारी का कत्ल, गांव में तनाव

रायबरेली. यूपी के रायबरेली के सलोन कोतवाली क्षेत्र के मुर्तजा नगर गांव में एक पुजारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने कारे देव आश्रम में घुसकर धारदार हथियार से इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। पुजारी का नाम मोहननाथ अघोरी और उम्र 60 वर्ष थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुजारी की हत्या को लेकर गांव में तनाव है। पुलिस हत्या की वजह जानने और हमलावरों को गिरफ्तार करने की कोशिशों में जुटी है। शक के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रायबरेली के सलोन कोतवाली क्षेत्र के मुर्तजानगर गांव में कारे देवस्थान आश्रम है। यहां के पुजारी अघोरी बाबा मोहननाथ की लाश आश्रम में मिली। गांववालों ने पुजारी की हत्या की सूचना तत्काल पुलिस को दी। पुजारी की हत्या की सूचना पर देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर पुजारी की हत्या क्यों और किसने की? मौके पर पहुंची पुलिस अपनी जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना शनिवार की रात 12 बजे से दो बजे के बीच हुई। उनकी पत्नी द्रौपदी भी उन्हीं के साथ रहती थीं।

रेलवे स्टेशनों पर बिहार-यूपी जाने वालों की भारी भीड़

- सूरत में 15 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सड़क पर बिताई रात
- दिल्ली में खचाखच भरे प्लेटफॉर्म

सूरत. दिवाली, छठ पूजा और बिहार विधानसभा चुनाव के चलते उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ देश के कई रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर है। रेलवे यात्रियों की सबसे ज्यादा भीड़ दिल्ली, सूरत और सूरत के उधना स्टेशन है। पैसेंजर्स ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ट्रेनें फुल होने के चलते मुश्किलें आ रही हैं। सरत में हजारों लोग टिकट होने के बावजूद ट्रेन में सवार नहीं हो पा रहे हैं। स्टेशन से लेकर रिहायशी इलाकों तक यात्रियों की लाइनें लग गई हैं। 12 से 18 घंटे से भूखे-प्यासे लोग बस एक ही गुहार लगा रहे हैं कि घर जाना है, लेकिन ट्रेनों में जगह नहीं मिल रही है।

सूरत के उधना में लगी 2 किमी लंबी लाइन

सूरत के उधना रेलवे स्टेशन के बाहर शनिवार शाम से ही भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। ट्रेनों में जगह न मिलने से कुछ लोगों दो-तीन बार टिकट भी कैंसिल करवाए। इसके चलते स्टेशन के बाहर दो किमी से ज्यादा लंबी लाइन लग गई थी। स्टेशन पर अभी भी 6 से 7 हजार से ज्यादा यात्रियों की भीड़ है। पश्चिम रेलवे की और से जानकारी दी गई है कि जानकारी दी जा रही है कि आज और ट्रेनें चलेंगी। कई ट्रेनों में बोगियां भी बढ़ाई जा रही हैं।

उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनें फुल

रेलवे प्रशासन को पता था कि रविवार को सबसे ज्यादा भीड़ होगी, इसके बावजूद शुक्रवार रात 8 बजे से शनिवार रात 11 बजे तक केवल दो ट्रेनें ही रवाना हुई। इसके चलते शनिवार को स्टेशन के बाहर करीब 2 किमी लंबी लाइन लग गई थी। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। अब उनका गुस्सा भी फूट पड़ा है क्योंकि वे भूखे-प्यासे लंबी कतारों में खड़े हैं। इसके बाद भी यह तय नहीं है कि ट्रेन मिलेगी या नहीं।

दिल्ली में 2028 से एयर टैक्सी की शुरुआत संभव

- 3 घंटे तक का सफर 10 से 12 मिनट में पूरा होगा
- शुरुआती किराया 500 होगा

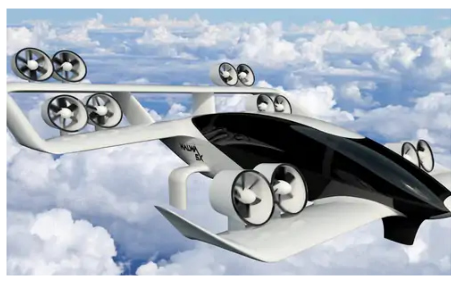

नई दिल्ली. भारत में 2028 तक एयर टैक्सी उड़ान भरने लगेंगी। ये कहीं से भी सीधे उड़ान भर सकती हैं और कहीं भी लैंड कर सकती हैं। पंजाब के मोहाली स्थित स्टार्टअप नलवा एयरो ने स्वदेशी ईवीटॉल (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) एयर टैक्सी विकसित की है। DGCA ने इसे डिजाइन ऑर्गेनाइजेशन अप्रूवल (डीओए) सर्टिफिकेट भी दे दिया है।

नलवा एयरो के सीईओ कुलजीत सिंह संधू के मुताबिक- कोविड-19 में एक मित्र ने इमरजेंसी मेडिकल इवैक्युएशन की जरूरत बताई। आसपास कोई एयर एम्बुलेंस या हेलीपैड नहीं था। तभी विचार आया कि क्यों न ऐसी मशीन बनाएं जो कहीं से भी वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग कर सके।

उन्होंने कहा कि इसका डिजाइन चरण पूरा हो चुका है। सब-स्केल प्रोटोटाइप अगले एक माह में तैयार हो जाएगा। यह किफायती एयर मोबिलिटी मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। शुरू में दिल्ली-एनसीआर में लॉन्च होगी।

आईजीआई एयरपोर्ट से आनंद विहार, नोएडा, गाजियाबाद और पानीपत जैसी जगहों तक सड़क से जाने में एक से 3 घंटे लगते हैं। ईवीटॉल एयर टैक्सी 10 से 12 मिनट में पहुंचा देगी। आईजीआई एयरपोर्ट से आनंद विहार का शुरुआती किराया लगभग 500 रु. प्रति व्यक्ति रहने का अनुमान है। दिल्ली के बाद ये मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु सहित अन्य मेट्रो शहरों में भी दिखेंगी।

गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत राशि सरकार भरेगी

- सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक अनूठी SOP तैयार की है, जिसमें निर्देश दिया गया कि अगर कोई गरीब व्यक्ति जमानत के लिए आर्थिक गारंटी देने में असमर्थ है, तो सरकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के जरिए इसे मुहैया करेगी। इस तरह उसकी रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। अदालत ने यह एसओपी सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के सुझावों के बाद तैयार की। यह मामला एससी ने स्वतः संज्ञान में लिया, जब उसे पता चला कि हजारों विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद केवल इसलिए जेल में बंद हैं क्योंकि वे जमानत बांड या गारंटर प्रदान नहीं कर पा रहे हैं।

जज एमएम सुंदरेश और एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि DLSA एक लाख रुपये तक की जमानत राशि भर सकता है। अगर ट्रायल कोर्ट ने इससे अधिक राशि तय की है, तो डीएलएसए इसे कम करने के लिए आवेदन दायर करेगा। पीठ ने कहा कि अगर जमानत मिलने के 7 दिनों के भीतर विचाराधीन कैदी को रिहा नहीं किया जाता, तो जेल प्रशासन DLSA सचिव को सूचित करेगा। सचिव तुरंत एक व्यक्ति को यह जांचने के लिए नियुक्त करेगा कि क्या कैदी के पास अपने बचत खाते में धनराशि है। यदि आरोपी के पास पैसे नहीं हैं, तो जिला स्तर की सशक्त समिति DLSA की सिफारिश पर 5 दिनों के भीतर जमानत के लिए धनराशि जारी करने का निर्देश देगी।

अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'ऐसे मामलों में जहां सशक्त समिति यह सिफारिश करती है कि विचाराधीन कैदी को गरीब कैदियों के लिए सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता दी जाए, तो प्रति कैदी के लिए 50 हजार रुपये तक की आवश्यक राशि को निकालकर संबंधित कोर्ट को फिक्स्ड डिपॉजिट दिया जाएगा। या फिर, जिला समिति की ओर से उचित समझे गए किसी अन्य तरीके से पांच दिनों के भीतर इसे उपलब्ध कराना होगा, जो कि आपराधिक न्याय प्रणाली में एकीकरण तक लंबित रहेगा।'

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, 60 दिनों के बोनस का ऐलान

नई दिल्ली. दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ा तोहफा दिया है। संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक आधिकारिक आदेश जारी करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उत्पादकता-लिंक्ड बोनस का ऐलान किया है। आदेश के अनुसार, डाक विभाग के कर्मचारियों को 60 दिनों के वेतन के बराबर बोनस दिया जाएगा। बता दें कि सरकार का यह कदम कर्मचारियों की मेहनत को मान्यता देने के साथ-साथ त्योहारी सीजन में उन्हें वित्तीय राहत भी प्रदान करता है।

किन कर्मचारियों को मिलेगा यह बोनस?

डाक विभाग के आदेश के अनुसार, यह बोनस निम्नलिखित श्रेणी के कर्मचारियों को दिया जाएगा-

1. नियमित कर्मचारी — ग्रुप C, मल्टी-टास्किंग स्टाफ (MTS) और गैर-राजपत्रित ग्रुप B के कर्मचारी।
2. ग्रामीण डाक सेवक — जो नियमित रूप से कार्यरत हैं।
3. अस्थायी और पूर्णकालिक अनौपचारिक (कैजुअल) कर्मचारी

इसके अलावा, जो कर्मचारी 31 मार्च 2025 के बाद सेवानिवृत्त, इस्तीफा दे चुके हैं या प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं, वे भी इस बोनस के पात्र होंगे। आदेश में कहा गया है कि ऐसे सभी कर्मचारियों के लिए उत्पादकता-लिंक्ड बोनस, संबंधित प्रावधानों के अनुसार देय होगा।

बोनस की गणना कैसे होगी?

डाक विभाग ने बोनस की गणना का स्पष्ट फार्मूला भी बताया है। नियमित कर्मचारियों के लिए -

बोनस = (औसत वेतन × 60 दिन ÷ 30.4) हालांकि, बोनस की गणना के लिए वेतन की अधिकतम सीमा 7,000 प्रति माह निर्धारित की गई है।

राबड़ी आवास के बाहर नेता ने कुर्ता फाड़ा, जमकर रोया

पटना. महागठबंधन में टिकट की खींचतान के बीच रविवार सुबह राबड़ी आवास के बाहर टिकट के लिए पूर्व प्रत्याशी मदन साह ने अपना कुर्ता फाड़ लिया। वे सड़क पर रोते-बिलखते नजर आए। उन्होंने कहा- संजय यादव ने मधुबन विधानसभा से टिकट देने के एवज में 2.70 करोड़ मांगे, रकम नहीं तो टिकट किसी और को दे दिया है।

बिहार चुनाव के पहले फेज की वोटिंग में सिर्फ 19 दिन बाकी हैं। 20 अक्टूबर को पहले फेज के चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है, लेकिन महागठबंधन में अब तक सीट शेयरिंग को लेकर साझा बयान नहीं आया।

कांग्रेस 53 उम्मीदवार उतार चुकी है। पहली लिस्ट में 48 नाम थे, शनिवार को जारी दूसरी लिस्ट में 5 नाम थे। रविवार को RJD ने अपनी पहली ऑफिशियल लिस्ट जारी की है, जिसमें नामांकन कर चुके 52 कैंडिडेट्स के नाम हैं।

राघोपुर में तेजस्वी यादव का मुकाबला बीजेपी प्रत्याशी सतीश यादव से होगा। सतीश यादव ने 2010 विधानसभा में राबड़ी देवी को यहां से हराया था। लिस्ट में 22 यादव, 3 मुस्लिम, भूमिहार-ब्राह्मण समाज से 3 प्रत्याशियों के नाम हैं।

इधर, NDA में सीट शेयरिंग हो चुकी है। सभी पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवार भी उतार दिए हैं, लेकिन CM फेस को लेकर चर्चा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा- हमारा 5 दल का गठबंधन है, जितने विधायक जीतकर आएंगे स्वयं अपना नेता चुनेंगे।'

फतेहपुर की पटाखा मंडी में भीषण आग

फतेहपुर. दिवाली से एक दिन पहले फतेहपुर की पटाखा मंडी में भीषण आग लग गई। एक दुकान से उठी आग ने देखते ही देखते सभी 65 दुकानों को चपेट में ले लिया। दुकानों में रखी आतिशबाजी में करीब एक घंटे तक धमाके होते रहे। आग इतनी भयावह थी कि दो किमी दूर तक धुएं का गुबार देखा गया।

हादसे में तीन दुकानदार मामूली रूप से झुलसे हैं। यहां खड़ीं दुकानदारों की 40 बाइकें भी धमाके के साथ जल गईं। आग में करीब तीन करोड़ रुपये की आतिशबाजी स्वाहा हो गई।

आग लगने के कारणों के अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ दुकानदारों का कहना है कि उद्घघाटन में जलाई गई अगरबत्ती की वजह से हादसा हुआ है तो कुछ का कहना है कि एक नशेबाज के यहां सिगरेट पीने से आग लगी है। कुछ लोग इसे साजिश भी बता रहे हैं।

क्या मुसलमानों को भी नमाज के लिए लेनी होगी अनुमति?

- कांग्रेस MLA का अपनी ही सरकार से सवाल

बेंगलूरु. कर्नाटक कांग्रेस विधायक के. एन. राजन्ना ने शनिवार को सरकार के उस नए आदेश पर सवाल उठाए, जिसमें सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। राजन्ना ने कहा कि देखना होगा यह आदेश व्यवहार में कितना लागू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि यह आदेश वास्तव में कितना लागू किया जा सकता है।'

पूर्व मंत्री राजन्ना को कुछ महीने पहले मंत्रिमंडल से हटाया गया था। उन्होंने कहा कि सिर्फ वही नियम बनाए जाने चाहिए जो लागू किए जा सकें, वरना वे सिर्फ किताबों तक ही सीमित रह जाते हैं।

राजन्ना ने यह भी कहा कि सरकार का आदेश मंत्री प्रियंक खड़गे के पत्र पर आधारित है, जिसमें उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि आरएसएस को सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम करने से पहले अनुमति लेनी चाहिए, लेकिन कहीं भी पूर्ण प्रतिबंध की बात नहीं की गई थी।

उन्होंने आगे सवाल उठाया, 'अब हमारे पास ईदगाह है। वे (मुस्लिम समुदाय) सड़क पर ही नमाज अदा करते हैं। क्या वे अनुमति लेते हैं? या अगर उन्हें अनुमति लेने के लिए कहा जाएगा तो क्या वे मानेंगे?'

गौरतलब है कि कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को निर्णय लिया था कि आरएसएस की गतिविधियों, जिनमें मार्च और सरकारी संपत्तियों या सार्वजनिक सड़कों पर आयोजित कार्यक्रम शामिल हैं, के लिए नए नियम बनाए जाएंगे, ताकि ऐसी गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सके।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया

- कप्तान मार्श ने नाबाद 46 रन की पारी खेली
- कोहली-रोहित नहीं चले

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से हार गई है। बारिश से प्रभावित मैच को जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने बारिश के कारण तय किए गए 26 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। केएल राहुल ने 38 और अक्षर पटेल ने 31 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 21.2 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन बनाए। जोश फिलिप ने 37 रन की पारी खेली।

भारत के टॉप ऑर्डर के 4 बैटर इस मैच में खास प्रदर्शन नहीं कर सके। रोहित शर्मा 10, विराट कोहली शून्य और कप्तान शुभमन गिल 10 रन बनाकर पावरप्ले के अंदर ही पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर उतरे श्रेयस अय्यर भी 11 रन ही बना सके।

भारतीय पारी में 4 बार रोकना पड़ा खेल

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी भारतीय पारी में रुक-रुककर बारिश होती रही। इस वजह से 4 बार मुकाबले को रोकना पड़ा। पहली बार मैच 9वें ओवर में रोका गया था। तब तक कप्तान गिल, कोहली और रोहित पवेलियन लौट गए थे।दोबारा खेल शुरू होने पर श्रेयस अय्यर भी पवेलियन लौट गए। जोश हेजलवुड ने विकेटकीपर जोश फिलिप के हाथों कैच कराया।

लुधियाना में कारोबारी के घर 15 राउंड फायरिंग

- 5 करोड़ की फिरौती मांगी
- कौशल चौधरी ग्रुप लिखी पर्ची छोड़ गए बाइक सवार

लुधियाना. पंजाब के लुधियाना में बाइक सवार बदमाशों ने एक रियल स्टेट कारोबारी के घर पर फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से बालकनी के शीशे टूट गए। मौके से एक पर्ची मिली है, जिसमें कौशल चौधरी ग्रुप और 5 करोड़ लिखा हुआ है। कारोबारी नंदलाल ने इसकी शिकायत पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की नाकेबंदी कर दी। पुलिस आसपास लगे CCTV फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। अभी फायरिंग करने वालों का सुराग नहीं लग पाया है।

नंदलाल 2006 में सेना से सूबेदार पद से रिटायर हुए थे और अब लुधियाना में रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं। उनके 2 बेटे हैं, जिनमें एक डॉक्टर और दूसरा बैंक मैनेजर है। बाइक पर आए बदमाश, जीएनई कॉलेज की ओर भागेः प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना रविवार सुबह 3 बजे की है। बदमाश बाइक पर सवार थे और लोहारा पुल की दिशा से आए थे। फायरिंग के बाद वे जीएनई कॉलेज की ओर भाग निकले।कारोबारी नंद लाल ने कहा कि घर के बाहर कैलाश चौधरी के नाम से पर्ची मिली। जिस पर 5 करोड़ लिखा था। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया। सभी सीनियर अधिकारी आए हैं। इससे पहले कभी कोई धमकी नहीं आई थी।

कर्मभूमि एक्सप्रेस से गिरकर दो युवकों की मौत

- छठ पूजा के लिए जा रहे थे घर; एक गंभीर रूप से घायल

नासिक. छठ पूजा के लिए कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन से बिहार जा रहे दो युवकों की गिरकर मौत हो गई। यह हादसा शनिवार रात महाराष्ट्र के नासिक रोड रेलवे स्टेशन के पास हुआ। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल जा रही इस गाड़ी के नासिक रोड स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही देर बाद हुआ। स्टेशन प्रबंधक प्रकाश को चलती ट्रेन से तीन यात्रियों के जेल रोड हनुमान मंदिर के पास धाकले नगर इलाके में गिरने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने नासिक रेलवे अधिकारियों को जानकारी दी।

30 से 35 साल है उम्र

नासिक रोड थाने के वरिष्ठ निरीक्षक जितेंद्र सपकाले मामले की जानकारी मिलते ही अपने सहयोगियों साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने भुसावल ट्रैक पर

किलोमीटर मार्कर 190/1 और 190/3 के बीच दो शव बरामद किए और एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को पाया। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की उम्र 30 से 35 वर्ष की है पर उनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

ट्रेन में भीड़ के चलते हादसा

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में भीड़भाड़ के कारण यह दुर्घटना हुई। भीड़ के कारण कई यात्री रेल के डिब्बे के दरवाजों के पास खड़े होकर सफर कर रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पीड़ित संभवतः दिवाली या छठ पूजा के लिए अपने पैतृक गांवों लौट रहे थे।

बंगाल में चुनाव से 6 महीने पहले ही बीजेपी ने शुरू किया बड़ा अभियान

- RSS ने भी लगाया जोर

कोलकाता. बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के बड़े मिशन के लिए छह महीने पहले से ही अपनी तैयारी अपनी चुनावी जमीनी तैयारियों पर अमल शुरू कर दिया है। राज्य में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और सभी हिस्सो में अपनी पहुंच को मजबूत करने के लिसए पार्टी ने तीन स्तरीय रणनीति पर काम करना शुरू किया है। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) भी उसकी मदद कर रहा है।

इस रणनीति में आरएसएस के कार्यकर्ता ओपीनियन लीडर और बीजेपी के बूथ कार्यकर्ता बिना कीसी शोर शराबे के लोगों को बदलाव के लिए तैयार कर रहे हैं। बता दें कि हाल के वर्षों में बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में तेजी से अपना प्रभाव बढ़ाया है। तीन दशकों तक राज करने वाले वामपंथी दलों और उनके पहले सत्ता में रही कांग्रेस को बीजेपी ने सत्ता की लड़ाई से ही बाहर कर दिया है। अब लड़ाई में सत्तारूढ़ टीएमसी और ममता बनर्जी ही बची हैं।

पिछले चुनाव में तीन से 77 तक पहुंची थी बीजेपी

पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपनी सीटें तीन से बढ़ाकर 77 तक पहुंचा दी थीं। कांग्रेस और वामपंथी दलों का तो खाता भी नहीं खुल पाया था। तब बीजेपी ने बदलाव का एक माहौल तैयार कर दिया था। ममता बनर्जी ने सीधी लड़ाई में भारी जीत दर्ज की थी। हालांकि बीजेपी को अपनी जमीन मजबूत करने का मौका मिल गया था।

कैसे गांव-गांव तक पहुंच रही बीजेपी

बीजेपी ने पहले खुद को नीचे के स्तर पर मजबूत करना शुरू किया। संगठन में कुशल रणनीतिकार माने जाने वाले सुनील बंसल को बड़ी जिम्मेदारी दी गई। बीजेपी ने जमीनी स्तर पर जन-जन तक पहुंच बनाने के लिए ओपीनियन लीडर्स तैयार किए। पार्टी के एक बड़े नेता का कहना है कि लोगों में घुसपैठ को लेकर काफी नाराजगी है।

इसके अलावा टीएमसी के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी बढ़ रही है। बीजेपी को अब लोगों को बदलाव का भरोसा दिलाना है। इसके लिए कार्यकर्ताओं से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक प्रयासरत है।

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

इनऑर्बिट में 30 दिनों का उत्सव

मुंबई. दिवाली पर्व का देखते हुए इनऑर्बिट मॉल मलाड 30 दिन तक चलने वाले 'रिफ्लेक्शन्स ऑफ़ जॉय' उत्सव के साथ पारंपरिक और आधुनिकता का शानदार संगम प्रस्तुत कर रहा है. मॉल की सजावट में चमकदार आईने, झूमर और रंग-बिरंगी इंस्टालेशन शामिल हैं, जो एक जगमगाते दिवाली माहौल का अनुभव कराते हैं. इस दौरान, 'हैप्पी दिवाली' नामक इंटरैक्टिव डार्ट गेम, क्रिएटिव वर्कशॉप्स, बॉलीवुड और फ्यूजन संगीत कार्यक्रम आयोजित किए गये हैं.

'ठाणे के लोग दिखाएंगे कि असली बॉस कौन है'

■ उद्धव-राज ठाकरे के साथ आने पर बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई. महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार राज्य के बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी दीपावली अंधेरे में नहीं रहेगी। आगामी स्थानीय मनपा चुनावों में शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के गठबंधन की अटकलों पर शिंदे ने कहा कि जो अपने सिद्धांतों के साथ खड़े नहीं होंगे, उन्हें लोग नकार देंगे।

उन्होंने कहा, कुछ नेता कह रहे थे कि अगर दो ठाकरे (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) एक साथ आ गए तो धमाका होगा। पर ठाणे के लोग उन्हें दिखा देंगे कि बॉस कौन है। जो अपने सिद्धांतों के साथ नहीं हैं, उन्हें लोग नकार देंगे। शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जिन्होंने शिवसेना को बेच दिया, उन्हें लोगों से 'टिकली' (छोटे पटाखे) मिलेगी, पर हम अपनी एकता और ताकत से विरोधियों को

खत्म कर देंगे।

शनिवार देर रात ठाणे में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, दिवाली शुरू हो गई है और हम खुशी के साथ मना रहे हैं। पर जश्न के बीच मराठवाड़ा में बाढ़ की वजह से दुख है और किसानों की आंखें नम हैं। उन्होंने मराठवाड़ा में बाढ़ पर अपनी पार्टी की तत्काल प्रतिक्रिया का जिक्र किया और बताया कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से राहत कार्य को प्राथमिकता देने का आदेश दिया गया था।

उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ता प्रभावित इलाकों में गए और हमने उनसे कहा कि वे दशहरा रैली (मुंबई) में न आएं, बल्कि वहीं रुककर किसानों की मदद करें। हमने प्रभावितों को मदद के किट भेजे और सहायता की। मुझे गर्व है कि हमारे कार्यकर्ता मुश्किल वक्त में किसानों के साथ खड़े रहे।

शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने प्रभावितों के लिए वित्तीय मदद को तेज किया है ताकि उनकी दिवाली सामान्य तरीके से गुजर सके। उन्होंने कहा, हम दशहरा मना रहे हैं और मैंने एलान किया है कि हम किसानों की दिवाली में अंधकार नहीं होने देंगे। हमने निर्णय लिया है और मुआवजा राशि वितरित की जा रही है। मुझे इसमें खुशी है।

दिवाली पर आँखों का ख्याल रखें

■ पटाखों का एक भी गलत धमाका आपकी आँखों की रोशनी खराब कर सकता है

ठाणे. दिवाली आते ही हर घर में खुशियाँ उत्साह और रोशनी की एक किरण फैल जाती है। बच्चे नए कपड़े पहनते हैं, नाश्ते की खुशबू, आसमान में चमकते पटाखे, पूरा माहौल स्वर्ग जैसा लगता है। लेकिन रोशनी के इस त्योहार के मौके पर कुछ लोगों की ज़िंदगी में अंधेरा छा जाता है। क्योंकि पटाखों का एक क्षणिक आनंद उनकी आँखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन लेता है, इसलिए नेत्र विशेषज्ञों ने दिवाली पर आँखों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।हर साल दिवाली के बाद देश भर के नेत्र अस्पतालों में सैकड़ों मरीज़ गंभीर आँखों की चोटों के साथ भर्ती होते हैं। सुतली बम फटते हैं और चिंगारियाँ उड़ती हैं, रॉकेट का धुआँ आँखों में जाता है, पटाखों के कण

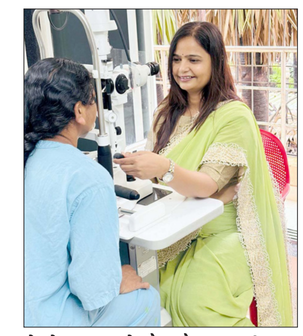

चेहरे पर पड़ते हैं और ज़िंदगी पल भर में बदल जाती है। जो दर्द कुछ हुआ ही नहीं लगता है, वह जल्दी ही किसी गंभीर बीमारी में बदल सकता है, जैसे कॉर्निया में जलन, कॉर्निया फटना और धुंधली दृष्टि।आँखों की चोटें हमेशा बाहर से दिखाई नहीं देतीं। कभी-कभी अंदरूनी परतें (रेटिना या कॉर्निया) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और कुछ दिनों बाद इसका असर दिखाई देने लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पटाखों में मौजूद रसायन और धुआँ आँखों और रक्त वाहिकाओं की नमी पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

> पटाखों में मौजूद धुआँ और रसायन आँखों के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। चिंगारी निकलने के तुरंत बाद अपनी आँखों को ठंडे पानी से धोएँ, लेकिन खुद कोई दवा या मरहम न लगाएँ। तुरंत नेत्र चिकित्सालय जाएँ। देरी खतरनाक है।'
>
> **-डॉ. शुभांगी अंबाडेकर**
> (नेत्र रोग विशेषज्ञ, सिविल अस्पताल, ठाणे)

भाजपा ने अपने 20 मंत्रियों की लगाई क्लास

■ कहा- पार्टी मनपा चुनाव हारी तो गिरेगी गाज

मुंबई. महाराष्ट्र में अगले तीन महीनों में होने वाले मनपा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने अधिक से अधिक स्थानीय निकायों पर कब्जा जमाने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत राज्य भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को भाजपा के मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक बुलाई, जिसमें उन्हें साफ तौर पर चेताया कि मनपा चुनावों के नतीजों के आधार पर उनके काम और नेता के रूप में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। मंत्रियों को बताया गया कि वे पार्टी नेतृत्व की निगरानी में हैं।

■ मनपा चुनाव को लेकर भाजपा में मंथन

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस बैठक में भाजपा के 17 कैबिनेट मंत्री और 3 राज्य मंत्री शामिल थे। बैठक में भाजपा के संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव शिव प्रकाश भी मौजूद थे। चर्चा के लिए मंत्रियों को चार-चार के समूह में बुलाया गया और उनके जिलों में पार्टी की स्थिति की

समीक्षा की गई। बैठक में मंत्रियों से कहा गया कि वे मतदाताओं तक प्रभावी पहुंच बनाएं। जिससे आगामी स्थानीय मनपा चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित हो सके।

बताया जा रहा है कि चव्हाण ने मंत्रियों को निर्देश दिए कि वे अपने जिलों में बुनियादी सुविधाओं और विकास के लिए पर्याप्त सरकारी निधि सुनिश्चित करें। जिन मंत्रियों पर फंड वितरण को लेकर शिकायतें आई थीं, उन्हें अपनी कार्यशैली सुधारने को कहा गया है। साथ ही सभी को अपने क्षेत्रों में अधिक समय देने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए जमीन पर उतरने के निर्देश दिए है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कुछ नेताओं ने सुझाव दिया था कि भाजपा को स्थानीय चुनावों में अपने सहयोगियों के साथ नहीं बल्कि अपने दम पर अकेले मैदान में उतरना चाहिए। इस पर चव्हाण ने मंत्रियों से कहा कि अगर पार्टी ऐसा निर्णय लेती है तो पहले से रणनीति तैयार रखें और सहयोगी दलों के साथ किसी तरह का मतभेद न होने दें।

चॉल का छज्जा ढहने से दो घायल

ठाणे. कलवा के विटावा स्थित सूर्यनगर में धर्मा निवास नामक एक चॉल के छज्जे का कुछ हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए. घटना के बाद एहतियातन 6 घरों को खाली करा लिया गया. दिवाली के एन मौके पर हुई दुर्घटना की वजह से बे घर हुये लोगों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं.

ठाणे मानपा आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब नौ बजे हुई. विटावा स्थित 25-30 साल पुराने धर्म निवास चॉल के छज्जे का कुछ हिस्सा गिरने से दो लोग संजय उत्तेकर एवं योगिता उत्तेकर पहली मंजिल से नीचे गिर गए.

'बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक हाथ'

■ ठाणे जिलाधिकारी की ओर से 'मानवीय दिवाली'

■ बाढ़ राहत के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से स्वैच्छिक निधि एकत्रित की

ठाणे. इस वर्ष मराठवाड़ा सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र सरकार सहित विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने उनकी मदद के लिए कदम बढ़ाया है। जिलाधिकारी ने भी क्यूआर कोड के माध्यम से

इस राहत कार्य में हाथ बढ़ाया है। दिपावली के पहले दिन जिलााधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के मार्गदर्शन में निवासी उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, जिला नियोजन अधिकारी वैभव कुलकर्णी, उपजिलाधिकारी (सामान्य प्रशासन) रूपाली भालके, उपजिलाधिकारी (पुनर्वास) सरजेराव मस्के-पाटिल, उपजिलाधिकारी (रोह्यो) शशिकांत गायकवाड़, उपजिलाधिकारी(चुनाव) वैशाली माने, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख नितिन पाटिल, प्रांतीय अधिकारी उर्मिला पाटिल, तहसीलदार रेवन लेम्बे, सचिन चौधर, संदीप थोरात, अमोल कदम, प्रदीप कुदाल, उज्वला भगत, नीलेश गौड़, मुकेश पाटिल, जिला खनन अधिकारी विवेक घुले ने दिवाली फराल कार्यक्रम के साथ जिलाधिकारी कार्यालय और सभी प्रांतीय और तहसील कार्यालयों ने 'बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक हाथ' थीम के तहत 'मानवीय दिवाली' पहल को लागू किया। इस अवसर पर, कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वैच्छिक निधि को क्यूआर कोड के माध्यम से सीधे 'मुख्यमंत्री सहायता कोष' सेल के बैंक खाते में जमा किया। पहले ही दिन यह निधि लगभग एक लाख रुपये तक पहुँच गई।जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने कहा कि सरकार और प्रशासन नागरिकों के कल्याण के लिए दिन-रात प्रयासरत रहते हैं, जिसके लिए यह भी कर्तव्य और मानवता की भावना से किया गया एक छोटा सा योगदान है।

पिता ने 14 साल की बेटी की हत्या की

■ पत्नी पर भी किया जानलेवा हमला, पुलिस ने दबोचा

मुंबई. मुंबई के सांताक्रूज़ (पूर्व) के कालिना इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां शनिवार रात घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी और पत्नी पर जानलेवा हमला किया। घटना शिवनगर चॉल, पुरानी सीएसटी रोड के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोहम्मद सुलेमान कुजरा ने गुस्से में आकर दोनों पर वार किया। जिसमें बेटी की मौके पर मौत हो गई,

जबकि पत्नी नसीमा सुलेमान कुजरा अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया था। इस पूरे मामले में मुंबई की वाकोला पुलिस ने केस दर्ज किया और क्राइम ब्रांच की टीम ने भी जांच शुरू की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

15 अक्टूबर को हुए पारिवारिक विवाद के दौरान 14 वर्षीय बेटी की हत्या और पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी मुंबई क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आ गया है। आरोपी मोहम्मद सुलेमान रज्जाक कुजरा (38) ने वारदात के बाद फरार होकर छिपने की कोशिश की थी। पुलिस ने तकनीकी जांच और मिली गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 307 और 324 के तहत अपराध दर्ज किया है।

पुलिस ने क्या बताया?

मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की यूनिट 8 के सीनियर पीआई लक्ष्मीकांत साळुंखे के नेतृत्व में यूनिट 9 और 10 के अधिकारियों की टीम गठित की गई और क्योंकि आरोपी ने अपने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बंद कर दिए थे इसलिए उसके गांव का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया गया और आगे की जांच के लिए वाकोला पुलिस को सौंप दिया गया।

पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त

■ घटनास्थल पर कोई हताहत नहीं

ठाणे. आपदा प्रबंधन कक्ष को प्राप्त घटना की जानकारी के अनुसार राउत स्कूल, सुदर्शन कॉलोनी, कोपरी, ठाणे (पूर्व) के पास नाइक बंगला परिसर में एक पेड़ आशीष बिल्डिंग परिसर में खड़े 2 चार पहिया वाहनों पर गिर गया।कोपरी पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी, अग्निशमन विभाग का 1 कर्मी जीप सहित, वृक्ष प्राधिकरण विभाग के कर्मचारी और आपदा प्रबंधन कक्ष का 1 कर्मी पिकअप वाहन सहित घटनास्थल पर पहुंचे। घटना स्थल पर कोई हताहत नहीं हुआ।घटनास्थल पर गिरा पेड़ आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ और वृक्ष प्राधिकरण विभाग के कर्मचारियों की मदद से काटकर हटा दिया गया है।

हत्या के प्रयास मामले में ऑटो रिक्शा चालक बरी

■ 3 साल पहले कोपरी मे हुई थी वारदात

ठाणे. जिला एवं सत्र न्यायालय ने तीन साल पहले एक व्यक्ति की हत्या के प्रयास के मामले में एक ऑटो-रिक्शा चालक को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपने पक्ष को साबित करने में विफल रहा है. ठाणे के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने प्राथमिकी और अदालत में पीड़ित की गवाही के बीच विसंगतियां पाईं.

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी जगदीश उर्फ यागदेव भीखो महतो (54) ने तीन नवंबर 2022 को ठाणे शहर के कोपरी इलाके में जब्बार अब्दुल रहमान मालगुडकर के सिर और हाथ पर धारदार हथियार से कथित तौर पर हमला किया. इसके बाद आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने सहित विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई. पीड़ित आरोपी को जानता था. उसने गवाही दी कि वह और जगदीश नाश्ता करने के बाद आरोपी के घर आए थे. उसने कहा कि जब वह बिस्तर पर लेटा हुआ अपने मोबाइल फोन पर क्रिकेट मैच देख रहा था तभी आरोपी अचानक रसोई में गया, वापस आया और उस पर हमला कर दिया.

न्यायाधीश अग्रवाल ने अपनी टिप्पणी में कहा कि प्राथमिकी में पहले हुए एक विवाद का जिक्र है, जिसमें दावा किया गया है कि आरोपी इसलिए नाराज था क्योंकि पीड़ित ने उसे सोने की चेन और 10,000 रुपये देने से इनकार कर दिया था.

ये विवरण पीड़ित ने अदालत में गवाही के दौरान छिपाए रखे. अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत घटनाओं के क्रम को भी अविश्वसनीय पाया. अदालत ने कहा कि यह समझ पाना मुश्किल है कि खुशी-खुशी साथ में नाश्ता करने और कमरे में आने के बाद अचानक ऐसा क्या हुआ कि आरोपी ने पीड़ित पर हमला कर दिया. इससे घटना की उत्पत्ति पर संदेह पैदा होता है. पड़ोसियों से प्राप्त साक्ष्य पीड़ित के बयान के विपरीत हैं तथा चिकित्सकीय प्रमाण पत्र में तीन साधारण चोटों का उल्लेख किया गया जिससे हत्या के प्रयास का आरोप साबित करना और जटिल हो गया.

बड़जात्या के नेक्स्ट प्रोजेक्ट में आयुष्मान-शरवरी की जोड़ी

■ एक नवंबर से शुरू होगी शूटिंग

■ आयुष्मान बोले- ये फिल्म बड़ी ऑडियंस के लिए होगी

आयुष्मान खुराना फिलहाल अपनी फिल्म 'थम्मा' की तैयारी में जुटे हैं, जो इस दिवाली यानी 21 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। अपनी हॉरर कॉमेडी की रिलीज के दस दिन बाद, आयुष्मान डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की फैमिली ड्रामा की शूटिंग शुरू करेंगे। फिलहाल फिल्म का नाम तय नहीं है। इस फिल्म को राजश्री प्रोडक्शन और महावीर जैन फिल्म्स प्रोड्यूस करेगी।

एक सूत्र ने बताया, सूरज बड़जात्या की आखिरी फिल्म, उंचाई (2022) के बाद, राजश्री प्रोडक्शन ने महावीर जैन फिल्म्स के साथ एक बार फिर हाथ मिलाने का फैसला किया है।

सूरज बड़जात्या और महावीर जैन दोनों ने 'ऊंचाई' में एक-दूसरे के साथ काम करके बहुत अच्छा समय बिताया और इस लिए, उन्होंने एक बार फिर साथ काम करने का फैसला किया।

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म 1 नवंबर से फ्लोर पर आएगी। यह एक रोमांटिक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है और इसमें सूरज बड़जात्या की ट्रेडमार्क छाप होगी।

नाबालिग बेटी से बलात्कार के जुर्म में 20 साल सश्रम कारावास

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने एक व्यक्ति को अपनी नाबालिग बेटी के साथ बार-बार बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने के जुर्म में 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने यह आदेश 16 अक्टूबर को पारित किया था, जिसकी प्रति रविवार को उपलब्ध करायी गयी। न्यायाधीश ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

विशेष सरकारी अधिवक्ता रेखा हिवराले ने बताया कि पीड़िता सहित अभियोजन पक्ष के 13 गवाहों ने अदालत के समक्ष गवाही दी।

अक्टूबर 2021 में दर्ज मामले के विवरण के अनुसार, आरोपी (ऑटोरिक्शा चालक) ने अक्सर शराब के नशे में 15 वर्षीय बेटी का बार-बार यौन उत्पीड़न किया और उसे चाकू दिखाकर धमकाया।

असफल प्रयास के बाद, आरोपी ने उसकी सहमति के बिना गर्भपात की व्यवस्था की और गर्भपात किए गए भ्रूण को एक सुनसान स्थान पर दफना दिया। अदालत ने कहा कि पीड़िता ने जिरह के अंतिम चरण में यौन उत्पीड़न के संबंध में अपना बयान अचानक बदल दिया। अदालत ने इसे दबाव का नतीजा माना।

अदालत ने कहा, 'इससे साफ जाहिर होता है कि आरोपी और पीड़िता की मां ने उसे अपने पक्ष में कर लिया था, और आरोपी चूंकि उसका पिता है, इसलिए उसने अपना बयान बदल दिया है।'

अदालत ने यह भी कहा कि डीएनए विश्लेषण से पुष्टि हुई है कि आरोपी और पीड़िता भ्रूण के जैविक माता-पिता थे।

अदालत ने कहा, 'आरोपी के ये सभी कृत्य जघन्य हैं और पुष्टिकारी मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करके अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि आरोपी ने लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई।'

न्यायाधीश ने निर्देश दिया है कि वसूले गए जुर्माने की राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में दी जाए।

पीड़िता को मुआवजा दिलाने के लिए मामला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), ठाणे को भेज दिया गया है।

दिवाली से पहले 700 किलो गोमांस बरामद

■ ट्रक जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई के दादर इलाके में रविवार सुबह पुलिस ने एक ट्रक से करीब 700 किलो गोवंश मांस बरामद किया। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई की भोईवाड़ा पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान जावेद नासिर खान (34) के रूप में हुई है। ट्रक की तलाशी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में गोमांस मिला। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि यह मांस शहर के बाहर से लाया गया था और मुंबई के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई किया जाना था। अधिकारियों की सलाह के अनुसार पंचनामा बनाकर माल जब्त किया गया। इस मामले में भोईवाड़ा पुलिस ने महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस अन्य दो फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है, जो इस तस्करी से जुड़े बताये जा रहे है। पुलिस मामले में विस्तृत जांच कर रही है।

भोईवाड़ा पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में गोमांस कहां से लाया गया और इसे कहां भेजा जा रहा था। इस घटना के बाद दादर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है।

आम सूचना

मैं श्री शंकर प्रकाश दुनबळे रहिवासी न. भू. क्र. 20941 प्लाट मं. 1052 क्षेत्रफल 66.6/9 सब प्लाट नं. 4 शीट नं. 23 सेक्शन नं. बी सुभाष नगर टेकड़ी रोड शिवनगर उल्हासनगर-4 जिला ठाणे. इस संपत्ति को अपने नाम पर करवाने हेतु जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख ठाणे कार्यालय में अर्जी किया हूं. यदि किसी व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के प्रति किसी प्रकार की आपत्ति है तो संपत्ति के पूरे दस्तावेज के साथ 15 दिनों में अपनी संपत्ति मा. जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख ठाणे कार्यालय में दर्ज कराएं. उसके उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी.

हस्ताक्षर
(श्री शंकर प्रकाश दुनबळे)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099